

सानापत माम

देकर सभी को किया आकर्षित

> खरीद एजेंसियों के गोदामों का किया निरीक्षण



पछताछ जारी

खबर संक्षेप

११ केवी की लाइन से 450 मीटर तार चोरी

गन्नौर। गुमड़ गांव के पास 11 केवी की लाइन से चोर 450 मीटर तार चोरी कर ले गए। निगम ने चोरी की शिकायत गन्नौर पुलिस को दी है। शिकायत में निगम के कर्मचारी ने बताया कि उनकी 11 केवी की लाइन है। गांव गुमड़ के पास 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। 3 मार्च की रात को चोर ट्रांसफार्मर के पास से करीब 450 मीटर तार चोरी कर ले गए। गन्नौर थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के विरूद्ध केस दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है।

पडोसियों के साथ मारपीट पिता-पुत्र पर केस दर्ज

गन्नौर। भाखरपुर निवासी सुनील ने बताया कि शनिवार की शाम को वह अपने भाई के साथ घर पर था। इस बीच हरनाम व उसका बेटा घर आए और खेत से सामान उठाने की बात को लेकर उसके भाई के साथ मारपीट करने लगे। जब उसने रोका तो हरनाम व उसके बेटे ने उसके साथ भी मारपीट की और उन्हें जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपितों के विरूद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में घुस कर मारपीट चार पर केस दर्ज

गन्नौर। खेडी तगा गांव के अशोक ने बताया कि उसके चाचा जय भगवान व उनके घर आया था। घर में आते ही उसके चाचा के लड़के विक्की ने उसे गाली दी और लोहे के कडे.से उसके सिर पर चोट मारी। विक्की के बड़े भाई जयबीर ने भी उसके साथ मारपीट की। शोर सुन कर जब उसकी भाभी कविता बीच बचाव में आई तो उसकी चाची सुदेश ने उसके साथ भी हाथापाई की। इसके बाद उनके पिता ने उन्हें छुड़ावाया। जिसके बाद आरोपित उसे जान से मारने की धमकी दे कर वहां से चले गए। पुलिस ने आशोक की शिकायत पर जयभगवान, जयबीर, विक्की व सुदेश के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

महिला के साथ मारपीट मां-बेटे के खिलाफ केस

गन्नौर। बजाना कला गांव की मनीषा ने बताया कि 20 अप्रेन को वह अपने घर के बाहर कपडे धो रही थी। इस बीच वहां पर दर्शना अपने पालतू कुत्ते के साथ उनके मकान के सामने गोबर डालने आई थी। उसके कृत्ते ने उनके बर्तनों पर पेशाब कर दिया। जब उसने दर्शना को कुत्ते के बारे में कहा तो उसने गोबर का खाली तसला उसके मुह पर मारा और उसके साथ गली गलौच करने लगी। इसके बाद दर्शना का बेटा मंजीत भी वहां आया उसका गला दबा कर नीचे गिरा दिया और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि मंजीत ने उस पर ईंट से हमला किया। हमला करने के बाद आरोपित उसे जान से मारने की धमकी देकर चले गए।

शादी का झांसा देकर य्वती से दुष्कर्म

गोहाना। महिला थाना गोहाना क्षेत्र की 21 साल की युवती ने पुलिस को बताया कि वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी। करनाल का एक युवक भी नौकरी करता था, जिससे उसका संपर्क हुआ। युवक ने उसे शादी करने का झांसा दिया। वह उसे बातचीत के बहाने रेस्तंत्रा में लेकर जाता और उससे दुष्कर्म किया। युवक ने उसे शादी से इंकार कर दिया। इस पर उसने पुलिस को शिकायत दी।

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए किया रक्तदान

सोनीपत। गांव भैरा बांकीपुर में मां भारती रक्तवाहिनी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यहां पर रेडक्रॉस सोसायटी दिल्ली के सौजन्य से 42 रक्तदाताओं का रक्तदान करवाया गया। रक्तदान शिविर लगाने का मकसद थैलेसीमिया से पीडित बच्चों को रक्त उपलब्ध करवाना रहा। इस मौके पर विपिन कुमार, राहुल सोलापुरकर, सचिव प्रेम गौतम, सह संचिव नीरज, तरुण नांगल, मुकेश, प्रमोद नैना, सुधीर, सुमेर सरोहा, आदि मौजूद रहे।

बेरहमी से पीटकर मौत

के घाट उतारा

पुलिस के अनुसार मामले में

शव का पोस्टमॉर्टम करने वाले

चिकित्सक ने बताया कि मासूम

के शरीर पर चोट के 58 निशान

मिले है। हालांकि पुलिस को

पोस्टमार्टम रिपोर्ट सॉमवार को

मिल सकेगी। बच्ची के शरीर

निशान है। महिला व उसके

प्रेमी ने बच्ची के साथ सभी हदों

को पार करते हुए बेरहमी से

पीट-पीटकर मौत के घाट

के ज्यादातर हिस्सों पर चोट के

है। पुलिस ने मामले में इससे संबंधित धारा

जोड़ दी है। वहीं मामले में कार्रवाई करते

हुए पुलिस टीम ने आरोपित मां व उसके

प्रेमी कबीरपुर निवासी रजत को गिरफ्तार

कर अदालत में पेश किया। जहां से महिला

को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

पुलिस टीम व एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर वारदात स्थल से नमूने एकत्रित किए है। शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां फॉरसेंसिंक चिकित्सक न होने के चलते शव को महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर रेफर कर दिया। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। आरोपितों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। - एसआई वेदपाल, जांच अधिकारी

खरखौदा थाना।

रामिकशन के बयान पर पडोसी किसान रणधीर पुत्र जिले सिंह, उसके बेटे सुमित, सोनू, उसकी पत्नी, और भाई नरेंद्र पर हत्या का शक जताया। रामकिशन ने पड़ोसी किसान व परिजनों पर हत्या का आरोप लगाते हुए बताया कि जब वह रणधीर पुत्र जिले सिंह के खेत में बने कमरे के पास गए तो वहां गीली

शाम को अपने प्रेमी के साथ आकर मोहन नगर में बच्ची को मृत हालत में पित के मामा के घर छोड़ गई थी। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में कार्रवाई करते हुए सदर थाना प्रभारी सेठी मलिक की टीम ने आरोपित महिला व उसके प्रेमी कबीरपुर के रजत को गिरफ्तार कर लिया था। महिला ने बताया था वह शराब पीती थी। जिसके बाद बच्ची खाने का सामान मांगने पर पिटाई करते थे। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया, जहां रजत को एक दिन के रिमांड १८ अप्रैल को हुई वारदात पुलिस का कहना है कि जांच में सामने

फोटो : हरिभूमि

को बताया था कि उनका निकाह 12 साल

पहले शहर की यवती से हुआ था। उन्हें

पत्नी से दो बेटियां हुई। जिनकी उम्र अब 8

व 5 वर्ष है। झगडा होने पर उनका दो साल

पहले तलाक हो गया था। तलाक के बाद

उनकी पूर्व पत्नी बड़ी बेटी को साथ ले गई

आया कि 18 अप्रैल को हत्या से पहले मासूम से रजत ने दुष्कर्म भी किया था।

बच्ची मौत मामला: बच्ची के साथ दिरंदगी के सबूत, 58 चोट के निशान मिले और छोटी बेटी उनके पास रह गई थी। आठ माह पहले उनकी पूर्व पत्नी दो दिन के लिए छोटी बेटी को भी साथ ले गई थी, लेकिन बच्ची हत्याकांड मामले में आरोपित उसकी मां व बाद में वापस छोड़ने नहीं आई। वीरवार देर उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से महिला को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जबकि उसके प्रेमी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर

मेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपित से पुछताछ की जा रही है। - एसआई, रमेश कुमार, जांच अधिकारी, सदर थाना।

घटना के समय बच्ची की मां रसोई में थी। तब आरोपित उसे बाथरूम में ले गया था। जहां बच्ची के साथ गलत काम किया। उसके बाद बच्ची की फिर से बुरी तरह

इससे उसकी मौत हो गई। आरोपितों ने शुरूआती पूछताछ में बताया है कि उन्होंने 15 से 18 अप्रैल तक रोज बच्ची को पीटा था। वह अक्सर शराब के नशे में उसकी पिटाई करते थे।

13 फरवरी को बंद किया था नेशनल हाईवे, 26 फरवरी को खोले गए सर्विस रोड

सोनीपत । आरोपितों को अदालत में लेकर जाते हुए पुलिस टीम ।

वहीं आरोपित प्रेमी को एक दिन के पुलिस

रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान

आरोपित से गंभीरता से पूछताछ की जा

व्यक्ति ने 19 अप्रैल को सदर थाना पुलिस

यह था मामला- शहर के रहने वाले

नेशनल हाईवे पर खोली गई दो और लेन, यातायात होगा सुगम

शुरुआत में दिल्ली-पानीपत के फ्लाईओवर पर दो लेन को शनिवार रात से ही खोल दिया गया था

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मिले 58 चोट के

आरोपित मां को अदालत ने न्यायिक

हिरासत में जेल और उसके प्रेमी को

एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

हरिभूमि न्यूज 🕪 सोनीपत

सदर थाना क्षेत्र में पांच साल की बच्ची की

बेरहमी से हत्या करने की आरोपित मां ने मां

के रिश्ते को कलंकित करने के साथ-साथ

मानवता को शर्मसार भी किया है। मामले में

आरोपित मां व उसके प्रेमी ने नृशंसता की

सभी हदों को पार कर दिया था। बच्ची को

लगातार चार दिन तक लगातार पीटा जा

रहा था। पीटने के चलते उसके शरीर पर

चोट के 58 निशान मिले हैं। साथ ही उसके

साथ दुष्कर्म भी किए जाने का पता लगा है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरी पर लगी चोटों का

खुलासा हुआ है। वहीं दुष्कर्म का पता चला

निशान, दुष्कर्म की पुष्टि

हरिभूमि न्यूज ▶ें। सोनीपत

दो माह से भी अधिक समय से बंद नेशनल हाइवे 44 को आंशिक रूप से ही सही, लेकिन आखिरकार खोल दिया गया

है। सिंघु बॉर्डर फ्लाईओवर पर अब तक पर दोनों ओर सर्विस लेन के की दो-दो लेन खोली वाहनों आवाजाही हो

रही थी। अब बॉर्डर पर बने फ्लाईओवर को भी खोलना शुरू कर दिया गया है। फ्लाईओवर से रविवार को अवरोधक हटाने का काम किया गया। जिसमें से दिल्ली-पानीपत और पानीपत दिल्ली की तरफ की दो-दो लेन खोली गई है। चार-चार

लेन में से दो-दो लेन खोलने पर

वाहनों का आवागमन कुछ आसान

होगा। सडक अवरोधकों व मलबे

की



सोनीपत। नेशनल हाइवे पर क्रेन के जरिए रास्ता खोलते हुए।

को एक साइड में रखा गया है। क्योंकि अभी तक सिर्फ सर्विस रोड चाल होने के चलते रोजाना जाम की समस्या बनी रहती थी। अब फ्लाईओवर शुरू होने के चलते वाहनों का आवागमन सुगम

करीब सवा 2 माह से बंद कुंडली बॉर्डर के फ्लाईओवरों को खोलने की प्रक्रिया दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार से शुरू करवा दी थी। करीब 3 किलोमीटर तक फ्लाईओवरों पर बनाए गए पक्के अवरोधकों को हटाने के लिए बुल्डोजर लगाए गए हैं। सीमैंट की दीवारों को तोड़ा गया है तो वहीं, लोहे व पत्थरों को हटाकर एक साइड में लगा दिया गया है। शुरूआत में दिल्ली-पानीपत के फ्लाईओवर पर दो लेन को शनिवार रात से ही खोल दिया गया था

जबिक इसके कुछ देर बाद ही पानीपत-दिल्ली फ्लाईओवर की भी एक लेन को खाली कर ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया। किसान आंदोलन जब शुरू हुआ था तो किसानों को हरियाणा-पंजाब बॉर्डर पर ही रोक दिया गया था। उस समय 13 फरवरी को दिल्ली पुलिस ने सिंघु बॉर्डर को बंद करना शुरू कर दिया था। बॉर्डर पर दोनों फ्लाईओवर व सर्विस लेन पर लोहे व पत्थर से बने अवरोधक

बडे-बडे कंटेनर रखने के बाद सीमेंट के अवरोधक रखे गए। वहीं कंकरीट की मोटी दीवार भी बना दी गई थी। किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिये ही यह काम किया गया था। 26 फरवरी को बॉर्डर पर दोनों सर्विस रोड को खोला गया था। जिसके बाद वाहनों का

उद्योगों के लिए जरूरी बॉर्डर खोलना

सर्विस लेन के सहारे वाहनों का आवागमन करने चुनौती बना हुआ था। जाम के चलते उद्योगों को सप्लाई होने वाला कच्चा माल और उद्योगों से तैयार माल ले जाते समय वाहनों को काफी अधिक समय लग रहा था। जिसकी वजह से माल तैयार करने का समय तो बढ़ ही रहा था, इसके अलावा जाम के चलते ईंधन की खपत भी बढ़ रही थी। जिसकी वजह से उद्योगों पर सीधा असर पड़ रहा था। अब फ्लाईओवर खुलने के बाद से उद्योगपतियों ने भी राहत की सांस ली है। बताया जा रहा है कि बार्डर बंद होने की वजह से उद्योगपतियों व ट्रांसपोर्टरों का करोड़ों का नुक्सान हुआ है।

पूरी तरह से खोलने में लगेगा समय

ढिल्ली प्रलिस से मिली जानकारी के अनसार फ्लाईओवरों की कछ लेन पर अभी अवरोधक व मलबा रखा गया है। इसे फिलहाल नहीं उठायाँ जा रहा है। जानकारी मिली है कि मौजूदा समय में दोनों ओर की दो-दो लेन खोलने के निर्देश ही मिले हैं। इसी वजेंह से केवल दो-दो लेन को ही खोला जा रहा है। वहीं बाकि लेन खोलने की प्रक्रिया के बारे में भी जल्द कार्रवाई करने की बात कहीं जा रहीं है। हालांकि दो लेन खोलने से यातायात के आवागमन में आसानी होगी, लेकिन जब तक फ्लाईओवर पुरी तरह से नहीं खुल जाता तब तक यातायात की समस्या बनी रहेगी।

आवागमन शरू हो गया था. लेकिन चलते यहां पर जाम की समस्या वाहनों के अत्याधिक दबाव के बनी रहती थी।

महिला की पहली मंजिल से नीचे फेंककर हत्या

 गांव बढ़मलिक का है मामला, मरने से पहले युवक पर लगाया आरोप, दूसरे किरायेदार ने बनाई वीडियो

हरिभूमि न्यूज≯≯ सोनीपत

गांव बढ़मलिक में किराए पर रहने वाली महिला की पहली मंजिल से नीचे फेंक कर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। महिला की मरने से पहले एक युवक पर नीचे फेंकने का आरोप लगाया। आरोपों की एक किराएदार ने वीडियो बना ली। फिलहाल पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर

मूलरूप से बिहार के जिला पूर्णिया के गांव शादीपुर निवासी असमत ने राई थाना पुलिस को बताया कि वह एक साल से बढमलिक की सहारा कॉलोनी में प्रमोद के मकान में किराए पर रहते हैं। उनका कमरा मकान की तीसरी मंजिल पर है। रविवार की सुबह करीब साढे पांच बजे उन्हें शोर सुनाई दिया।

वह बाहर आए तो नीचे गली में भीड़ लगी थी। नीचे आकर देखा तो बिल्डिंग की पहली मंजिल में कमरा नंबर-29 में रहने वाली राजस्थान के जिला सीकर के गांव ताजपुर की पूनम जमीन पर पड़ी थी। जिसके दोनों पैर टूटे हुए थे। पूनम ने बताया कि उसे चंदन चौरसिया ने छत से धक्का दिया है। पनम के घटना की जानकारी देने के दौरान उन्होंने उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली।



मामले की जांच जारी

महिला को छत से धक्का देकर गिराने की जानकारी मिली थी। बिल्डिंग में रह रहे किराएदार की वीडियो बनाई है। मामले में सभी तथ्यों को गहनता से जांच की जाएगी। जिसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

इंस्पेक्टर उमेश कुमार थाना प्रभारी, राई

वहीं, मामले की शिकायत डायल-112 पर दी। पूनम को इलाज के लिए नागरिक अस्पताल में पहंचाया गया। जहां गंभीर हालत के चलते उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने असमत के बयान पर चंदन चौरसिया के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश में दिबश दी जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि आरोपी महिला का परिचित था। पुलिस उसके बारे में जानकारी जुटा रही है।

राजस्थान में रह रहा महिला का पति

पुलिस की जांच में पता लगा कि महिला का पति राजस्थान में रहता है। महिला कमरे में बेटे के साथ रहती थी। पुलिस का कहना है कि पता लगा कि जिस युवक पर आरोप है वह महिला का परिचित था।

हरिभूमि न्यूज▶े सोनीपत

खरखौदा थाना क्षेत्र के गांव

सिसाना-2 में किसान की खेत में

लाठी-डंडे से पीटकर बेरहमी से

हत्या कर दी गई। परिजन खेत में गए

तो किसान का शव बरसीम में पडा

मिला। उन्होंने खेत के पड़ोसी

किसान व उनके परिजनों पर हत्या

का आरोप लगाया है। उनका आरोप

है कि किसान अक्सर पड़ोसी

किसान के खेत में बने कमरे में बैठा

रहता था। पडोसी किसान के खेत में

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया

किसान की खेत में लाठी-डंडों से पीटकर हत्या पड़ोसी किसान व परिजनों पर हत्या का आरोप





फोटो : हरिभृमि

बने कमरे के बाद गीली मिट्टी में संघर्ष के निशान भी मिले है। पुलिस

ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया। जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के लिए खानपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवा दिया है। जहां सोमवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। गांव सिसाना-2 निवासी रामकिशन ने बताया कि उनका भाई

रणधीर (50) पुत्र बलवंत सिंह

खेतीबाड़ी करता था। वह

अविवाहित थे और ज्यादातर खेत के पड़ोसी रणधीर पुत्र जिले सिंह के खेत में बने कमरे में रहते थे। रविवार को जब वह खेत में पहुंचे तो उनके भाई का शव बरसीम के अंदर पडा था। उनके भाई की बेरहमी से पीटकर हत्या की गई थी। उनके भाई के सिर, हाथ, पैर पर चोट के निशान थे। उनका शव खून से लथपथ पड़ा था। उन्होंने तुरंत मामले से पुलिस को अवगत कराया। जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने

नमूने एकत्रित किए

खेत में शव मिलने की सूचना मिली थी।

मिट्टी में संघर्ष के निशान मिले।

युवक की संदिग्ध हालात में मौत पिता पर हत्या करने का आरोप श्मसान घाट में शव का अंतिम

संस्कार कर रह थे परिजन

हरिभूमि न्यूज 🕪 सोनीपत

को शव के अवशेषों का पोस्टमार्टम

करवाया जायेगा। पलिस मामले की

गंभीरता से जांच कर रही है।गांव

बोहला निवासी राजसिंह ने बताया

कि वह मौजूदा समय में गांव का

सरपंच है। रविवार सुबह उसे पता

चला कि रोहित (23) की मकान की

सीढ़ियों से गिरने से लगी चोटों के

कारण मौत हो गई।







सोनीपत। शमसान घाट चिता से निकाला शव व नागरिक अस्पताल के शव के

अस्पताल में पहुंचे परिजनों व ग्रामीणों ने दबी जबान में बताया कि रोहित अक्सर शराब पीता था। उसके बाद परिवार के सदस्यों के साथ झगडा करता रहता था। शनिवार देर शाम को शराब के नशे में घर पर पहंचा। जहां मकान के अंदर रखा सामान तोड़ने लगा। उसके बाद घर वालों से झगड़ा करने लगा। जानकारी मिल है कि उसके पिता ने झगड़े के दौरान उस पर लाठी से हमला कर दिया। जिसके चलते उसी मौत हो गई। हत्या का आरोप मृतक रोहित के पिता पर लगा है। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर

ढाई साल पहले हुई शादी मिली जानकारी के अनुसार शनिवार देर शाम को शराब के नशे में रोहित घर पहुंचा। घर पर पहुंचते ही उसने झगड़ा करना शुरू कर दिया। घर का सारा सामान तोड़ दिया। सामान तोडने से मना किया तो परिजनों के साथ अभद्रता करने लगा। जानकारी मिली कि उसी दौरान रोहित के पिता ने उस पर डंडे से हमला कर दिया। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। रोहित की शादी करीब ढाई साल पहले हुई थी। उसके पास करीब चार माह का बेटा भी है। जिसके सिर से पिता का साया उठ गया।

दोनों भाई अपने परिवारों को लेकर अपने गांव के भवन में लौट आये। वही मकान अब नये जीवन का सवेरा था। तपती दोपहर खुली हवा लग रही थी। वही हंसी के फव्वारे थे। बच्चों की चहक थी। घर खुशियों से भर गया। एक नई ज़िन्दगी शुरू हो गई। गांव के लोग परिवार को इकट्टा देखकर इज्जत करने लगे।

कहार्न

डॉ. हरीश चंद्र झंडई

साहित्य

दगी भी क्या है। इसमें टेढ़े-मेढ़े रास्ते हैं जिसमें कठिनाइयां ही कठिनाइयां हैं। इसमें जीवन भूल-भूलैया है। जीवन में कब भटकाव आ जाए पता नहीं चलता। दादाजी ने अपने जीवन में अपने परिवार के साथ मिलकर एक लम्बा संघर्ष किया था। अपने परिवार को खडा किया। दर तक कठिनाइयां दिखाई नहीं पडती थी। खुशियां ही खुशियां नजर आती थीं। न जाने परिवार में कैसे परिवर्तन आया कि स्वार्थ पनपने लगा। अब निराशा की ओर बढ़ने लगा। आशाएं निराशा में बदलने लगी। अब ऐसे लगने लगा कि



सघर्ष से जीवन में ख़ुशियों का जो नया अध्याय शुरू हुआ था। सुन्दरता की छांव ठंडक लाई थी। जिंदगी आगे बढ़ने लगी थी। लगने लगा कि सुबह अच्छी आई है तो आने वाले जीवन की सुबह भी अच्छी रहेगी। जिंदगी में काफी उतराव-चढ़ाव देखे थे। जिंदगी का कारवां कभी नही रुका था। दादाजी ने उन सपनों का महल बनवाया था। सब परिवार के सदस्य मिलकर रहते थे। सायं को आंगन में बैठकर खुशियों की चटकियां लिया करते थे। हम सब बच्चे मिलकर लुका-छिपी का खेल खेला करते। दादा-दादी हम सब से लाड-प्यार करते थे। जिन्दगी ऐसी चल रही थी कि ख़ुशियां प्रहरी का काम कर रही थी। अचानक दादी बीमार पड़ गई। दादी को फौरन शहर के डाक्टर के पास ले गये। डाक्टर ने कहा 'लीवर काफी खराब हो चुका है।



जिंदगी तपती दोपहर

कुछ दिन की मेहमान है।' दादी की बीमारी को सुनकर दादा जी बेहोश हो गये। घर में निराशा का वातावरण छा गया। लगने लगा कि परमात्मा ने जो मेहनत,प्यार,सहनशीलता और एकता से जो भवन खड़ा किया है इस क्षति को सहन नहीं कर पायेगा। हृदय में अनेक तरह की शंकाएं टीस करती। निराशा घर कर लेती। अब जिन्दगी में कौन प्ररेणा की ताकत बनेगा। कौन शक्ति देगा जीवन का नाम संघर्ष है। जीवन में नया संवेरा आता है जिसे जिन्दगी कहते हैं। अक्सर दादा-दादी इसी पर जोर देते थे। समय था मरूस्थल की तपती धूप थी। दूसरी तरफ भूख और गरीबी की धधकती आग थी। दादा आगे बढने की ताकत रखते थे। उन्होने मरूस्थल के जीवन से यही सीखा था। इसी में तपती दोपहर में जिंदगी बिताई थी। महल खड़ा किया था। खुशियों भरा हम सबका परिवार का जीवन था। अब क्या होगा? परिवार के हर सदस्य के हृदय में सवाल उठ रहा था। पिताजी खडे हो गये। कहने लगे-सब ठीक हो जायेगा। यदि वक्त घाव देता है तो उसे भर भी देता है। रात के अन्धेरे में सवेरा भी होता है। वह सुबह कहलाती है। अन्धेरा कभी स्थायी नहीं रहता। उजाला आता है। दादा-दादी अवश्य ठीक हो जाएंगे। अच्छा इलाज चल रहा है। डाक्टर अच्छी देखभाल कर रहे हैं। डाक्टर आश्वासन दे रहे हैं। अचानक दादी बेहोशी में चली गई। वेंटिलेटर पर रख दिया गया। सारा परिवार गम में डब गया। दादी चल बसी। दादा जो समझा रहे थे हालांकि बीमार चल रहे थे बोले एकता, सहनशीलता में शक्ति होती है। गम के समय इन्हें न खोना जिस दिन इन सिद्धांतों को खो दोगे 'जिंदगी साथ नहीं देगी इसलिए सिद्धांतों को न

जाने देना। जिस दिन इन सिद्धांतों को खो दोगे सारा परिवार बिखर जाएगा।'अहँकार भी न रखना। यह आपकी मंजिल रोती दिखाई देगी। निराशाओं में खुशियां नहीं लौटेंगी। अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। डाक्टर के पहुचने से पूर्व पंख-पंखेरू उड़ गये। निराशा का कोहरा छा गया। घर के आंगन में परम्पराओं को निभाया जा रहा था। पंडितजी इस दुःख की घड़ी में अपने व्याख्यान में समझाया। दुःख कम हो। वह भी बुजुर्ग थे। लम्बा जीवन देखा था। उनका जीवन भी इस मरूस्थल में सघर्ष से निकला था। मरूस्थल की तपती दोपहर जीवन को निराशा देती है लेकिन आशाएं भी लाती है। जीवन बनाती है। दुःखों से लड़ना सिखाती है। तुम्हारे दादाजी ने इसी तपती दोपहरी में जीवन को आगे बढाया है। महल खड़े किये हैं। तुम्हारे बुजुर्गों ने सघर्ष से इस हवेली की नींव रखी है। मान बढ़ाया है। एकता इसकी शान है। आप बनाए रखना।

दादा-दादी के जाने के बाद घर का वातावरण काफी अच्छा रहा। धीरे-धीरे भाइयों में स्वार्थ की ब आने लगी। किसी न किसी बात को लेकर झगड़े का रूप लेने लगी। छोटी-छोटी बात बड़ी समस्याओं की बड़ी हवा का रूप लेने लगीं। सहनशीलता, एकता दबने लगी। स्वार्थ सर्वोच्च होने लगा। पिताजी ने एकता को बनाए रखने के लिए धैर्य बनाए रखा। अब पैसों के कारण सारे सिद्धांत बौने लगने लगे। पिताजी ने काफी प्रयास किया परिवार की एकता बनी रहे लेकिन सब व्यर्थ। जो भाई कल तक उठते बैठते थे। बच्चे सब मिलकर खेलते थे। अब दूरियां बनाने लगे थे। खाना अलग खाने लगे। किंचन अलग हो गये। जीवन के सिद्धांत मरूस्थल जीवन की ओर अग्रसर होने लगे। जिंदगी पर मरूस्थल के रेत की

गर्दिश का कोहरा छाने लगा। तपती धप की तिपश जिंदगी पर आने लगी। व्यक्तिगत जिंदगी के लिए धन उड़ने लगा। पिताजी ने बुजुर्गों के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए बनाए रखने अंत तक प्रयास करते रहे। भाइयों पर दबाव बनाते रहे, लेकिन भाई मानने को तैयार नहीं थे। मंजिल को बांटने की जिद को नहीं छोड़ा। धीरे-धोरे सब अलग हो गये। अलग अलग शहरों में चले गये और काम करना शुरू कर दिया। पिताजी उसी स्थान पर बने रहे। अपने बुजुर्गों के सिद्धांतों को बनाए रखा। वही परम्परागत कार्य को बनाए रखा। बडे चाचा जयपुर चले गये और वहीं फैक्टरी लगा ली। काफी धन लगा दिया। छोटे चाचा ने कोटा में काम शुरू कर दिया। वहीं कोठी बना ली। पानी की तरह पैसा बहा दिया। बच्चे भी ऐशो आराम पर खर्च करने लगे।

कुछ समय बीत गया। सब काम ठीक-ठाक चल रहा था। बच्चों के खर्च पर कोई कन्ट्रोल नही था और न ही घरेलू खर्च पर कन्ट्रोल था। व्यापार पर प्रभाव होने लगा। कोरोना बीमारी के प्रभाव के कारण और भी काम ठप हो गया। धीरे-धीरे पंजी भी खत्म होने के कगार पर आ गई। मांगे कम हो गई और उधार में पैसा डूब गया। अब लगने लगा कि क्या किया जाए? जो संघर्ष भरा जीवन देखा था वह कहीं वापस न लौट आए सामने दिखाई देने लगा। दिन पर दिन अब आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई। तपती धूप जीवन को झुलसाने लगी। परिवार और बुजुर्गों के सिद्धांत याद आने लगे। दूसरी तरफ जिन्दगी के थपेड़े थे। संयुक्त परिवार की याद आने लगी।

बड़े चाचा को भी व्यापार में धक्का लग चुका था लेकिन कुछ समय तक संभाल लिया था। बच्चों ने कुछ समय तक साथ दिया लेकिन पुरा साथ नहीं दिया। एक दुसरे को आरोपित करने लगे। सब व्यापार का ढांचा बिगड़ गया। मार्केट में इज्जत कम हो गई। वह दिन आ गया कि उधार सिर पर आ गई। व्यापार भी ठप हो गया। अचानक एक दिन छोटे चाचा पिताजी के पास आ गये। पिताजी देखकर हैरान रह गये। इतने समय के बाद घर की कैसे याद आई है। अपने गांव को छोडने के बाद संबंधों में जो कटुता आ गई थी अब मिल रहे थे। पिताजी को देखकर पुरानी यादें याद आने लगी। पिताजी ने हालचाल पूछा अमर!मुझे बहुत अच्छा लगा है कि आज तुम मेरे पास आये हो। अपने घर वापस आये हो। मुझे वह पुराना समय याद आ रहा है जब हम मिलकर रहते थे। सूर्य की तपिश हमें चन्द्रमा की ठंडी छांव लगती थी। खुबसूरत जिन्दगी गुजरी। अमर चाचा उदास हो गए और बोले-नहीं भाई साहिब! हमने अपने सिद्धांतों को छोड दिया। आपकी बातों को स्वीकार नहीं किया। वह जैसे -जैसे बोल रहे थे। उनकी आंखों में आंसूउमड़ पड़ते। पिताजी ने कहा-मैं तुम्हारा बड़ा भाई हूं। क्या हुआ है? तुम्हारी आंखों में आंसू क्यों हैं? चाचाजी को गले लगा लिया और बोले-अमर जहां भी हो वहां अगर कोई परेशानी है तो अपने घर वापस लौट आओ। यह घर उतना ही तुम्हारा है जितना मेरा है। तुम्हारे बच्चे मेरे जीवन का भाग है। अमर चाचा चुप हो गये। अभी कुछ समय बीता ही था कि मालती जो बड़े चाचाजी की बहू थी आ गई। पिताजी के पैर छुए। अमर चाचा को नमस्ते की और पैर छए। मम्मी ने मालती भाभी को गले लगा लिया और हालचाल पूछा। सब हैरान थे। जिस औरत के कारण घर का बंटवारा हुआ था। आज इतने समय के बाद अपने गांव में लौट आई है। यहां से बड़े बड़े सपने लेकर गई थी। आज उसके चेहरे पर मायूसी थी। उसके हृदय में उथल पुथल थी कि वह क्या बोले? हमारे पास खाने को भी मश्किलें हैं। चेहरे के भाव बता रहे थे। सब कुछ ऐशो-आराम और नया व्यापार को चलाने के कारण दबकर रह गये हैं।

मैं भाभी के चेहरे के भावों को समझ गया । हृदय में ग्लानि पैदा अवश्य हुई लेकिन चुप रहा। बड़ों के सिद्धांत और आदर्श सामने थे। परिवार को एक करना था। परिस्थितियों ने अलग कर दिया था। मैंने सोचा कि यदि परिस्थितियां इन्सान को अलग करती हैं तो जोड़ती भी हैं। आज परिस्थितियां ने बिखराव किया है अब नज़दीक भी ला रही हैं। परिवार को इकट्टा कर रही हैं। मेरी पत्नी शमा ने भी मालती भाभी को गले लगा लिया। आंसुओं को पौंछा और कहा-आपका घर है। हम कभी अलग नहीं हुए थे। कुछ समय के लिए अपने अच्छे रास्ते से भटक गये थे। मरूस्थल भूमि की दोपहर की तपिश थी। अब सार्य की ठंडक है जिसमें सुबह की किरणों का नया सवेरा है। हमारे जीवन का नया सवेरा उगेगा।

दोनों भाई अपने परिवारों को लेकर अपने गांव के भवन में लौट आये। वही मकान अब नये जीवन का सवेरा था। तपती दोपहर खुली हवा लग रही थी। वही हंसी के फव्वारे थे। बच्चों की चहक थी। घर खुशियों से भर गया। एक नई जिन्दगी शुरू हों गई। गांव के लोग परिवार को फिर से इकट्ठा देखकर इज्जत करने लगे।

किवता

निधि राटी



रोज कौन आएगा

रोज कौन पीठ थपथपायेगा, रोज कौन हिम्मत बनाएगा, ये खुद की लडाई खुद से ही लड़नी होगी, रोज कौन आंसू पहुंचने आएगा।

अकेले रहने की आदत डाल लो, ना मन लगे तो खुले आसमान से दो पल गुपत्तगु कर लो, इस हार को जीत में खुद ही तब्दील करना होगा, रोज कौन तुम्हें संभालने आएगा।

बहुत बात छोड़ दिए जाओंगे, बहुत बार ट्रट कर बिखर जाओगे. सूखे पत्तों से तुम्हें ये सीखना होगा, रोंज कैन तुम्हें समेटने आएगा?

और किसी का साथ मिल जाए तो शुक्रिया अदा कर लेना, रुकना चाहे दो पल वह तो रोक लेना पर ध्यान रहे अगर कह दे वो जाने के लिए तो जाने भी देना, अब रोज कौन तुम्हें सीने से लगाकर प्यार जताएगा।

शकुन्तला काजल 'शकुन



बड़े प्यार से मुझको पाला। उस मां की मैं जंपती माला।।

बात - बताई बचपन वाली। उठा अठन्नी मैंने खा ली।। आंख निकल बाहर को आई। मां ने तब हिम्मत दिखलाई।। खून बहा पर उसे निकाला. उस मॉ की मैं जपती माला॥!1!

जन्म - दुबारा देने वाली। हर दुखड़ा हर लेने वाली।। मिलने जाऊं खुश होती है। नहीं कभी पहले सोती है।। स्वयं खिलाती मुझे निवाला. उस मां की मैं जंपती माला॥!2!

पर कैसे आभार जताऊं। किन शब्दों में महिमा गाऊं। उसके तप को कभी न भूलूं। तर जाऊं रज उसकी छू लूँ॥ चरण कमल को मान शिवाला उस मॉ की मैं जपती माला॥:3!

बड़े प्यार से मुझको पाला। उस मां की मैं जपती माला।।

कविता

डॉ. ज्योति राज

नई बह्

पडौस में आयी है नयी बहू घर जैसे आर्डर में आ गया है समय पर बजती हैं कुकर की सीटियां स्वादिष्ट सी हो गयी लगती है रसोई नए मेम्बर के आने से बदल सा गया है माहौल।

कडे दिन रहा घर शात सा तमीज़दार लुभावना भी ।

कई दिन चला यह शेड्यूल

कविता

किरण यादव

हज़ार दफ़ा सोच लूं

तुम्हें कहने से पहले अपनी हद में रह लूं तुम्हें कहने से पहले

न जाने तुम क्या सोच लो और मैं क्या कह ढूं उन लफ़्जों को थोड़ा बुन लूं तुम्हें कहने से पहले

आ जाये थोड़ी सी गरमाहट खींच लूं सांसें खोल दूं हथेलियों को सरसरातीं हवाओं में

ओढ़ लूं चांद में नहाई हुई चांदनी तुम्हें कहने से पहले

अब घर लौटने लगा है पुराने रंग-रूप में गाहे-बगाहे झल्लाने के स्वर

सुनाई देने लगे हैं ।

एक-आध बार दरवाजों के

पटकने की आवाज भी।

धीरे-धीरे घर आ रहा है

लगता है ... नयी बहु का

पुरानी रंगत में ।

इक्यबंशन पीरियड

खत्म हो चुका है ।

वो तुम्हारी खामोश सी उदासी हल्की सी बेचैनी की लकीरें पढ़ लूँ चेहरे के हाव भाव तुम्हें कहने से पहले

फिर डूब जायेंगे शब्द तैर जाओंगे तम और थाम लूंगी मैं बांह तुम्हारी थोडा कहने से पहले ।

लघुकथा

गोविन्द भारद्वाज

हावभाव



रारीलाल जी अपनी बेटी का रिश्ता लेकर रामप्रसाद जी के घर पर गये। साधारण से दिखाई देने वाले मुरारीलाल जी को देखकर रामप्रसाद जी के चेहरे पर कोई विशेष भाव नहीं थे। मुरारीलाल जी ने कहा, 'रामप्रसाद जी,मैं अपनी बेटी का रिश्ता आपके सुपूर्र से करना चाहता हूं...आपकी क्या राय है?' 'राय तो यह है श्रीमान, अभी बच्चा नया-नया नौकरी लगा ही है..थोड़े दिन और उसे स्वतंत्र रहने दूं। इसके बाद सोचेंगे।' रामप्रसाद ने चश्मा उतारते हुए कहा। मुरारीलाल ने पानी का गिलास टेबल पर रखते हुए कहा, 'चलिए जी,आपकी इच्छा है..।' उसी समय रामप्रसाद का मोबाइल बज उठा।' हैलो... कहिए शर्मा जी कैसे याद किया? उन्होंने पूछा। सामने वाले शर्मा जी से वे लगातार हां..हू..हम्म में ही जवाब दे रहे थे। अब उनके चेहरे के हावभाव भी बदलते नजरे आ रहे थे। मुरारीलाल उठकर जाने लगे तो उन्होंने बैठ जाने इशारा किया। मुरारीलाल बैठ गये। फोन पर बात पूरी होते ही रामप्रसाद जी ने पूछा, 'मुरारीलाल जी,आपने ये नहीं बताया कि आप आयकर विभाग में अधिकारी हैं।" 'आपको कैसे मालूम चला मैं.. आयकर विभाग में अधिकारी हुँ?' मुरारीलाल जी ने पूछा। रामप्रसाद जी मुस्कुराते हुए बोले, 'जी..बड़े ऑबिमयों की पहचान थोड़ी ही छिपती है..मेरे मित्रं शर्मा जी ने अभी अभी फोन पर बताया.. दरअसल वो आपको जानते हैं।' 'जानते नहीं साहब..वे मेरे बड़ी लड़की के ससूर हैं..मेरे सम्बधी हैं।' मुरारीलाल जी ने स्पष्ट करते हुए कहा। रामप्रसाँद जी बोले, 'आप को ना तो मैं अब कर नहीं सकता..रिश्ते के लिए मेरी हां समझिए जी।' मुरारीलाल ने भी चलते हुए जवाब दिया, 'सोचता हूँ, मैं अपनी इनकम टैक्स इंस्पेक्टर बच्ची को थोड़े दिन और स्वतंत्र छोड़ें दूं क्योंकि अभी उसकी भी नयी-नयी नौकरी लगी है।' ये सुनकर रामप्रसाद के चेहरे पर खुशी यूं गायब हो गई, जैसे गधे के सिर से सींग।

साहित्य की ओर कम रूझान के कारण युवा वर्ग उद्देश्यहीन हो जाता है, जिसके कारण भटकाव जैसी समस्याओं से जुझना पड रहा है। माता पिता का दायित्व है कि अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के लिए वे अपने बच्चों को साहित्य के प्रति प्रेरित करें।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

रियाणा साहित्य एवं संस्कृति को नया आयाम देने वाले प्रबुद्ध लेखकों में सुरेश जांगिड़ उदय एक ऐसे साहित्यकार एवं कथाकार हैं, जो अपनी साहित्य साधना में समाज की दोहरी मानसिकता और कुरीतियों के खिलाफ बेबाक कलम चलाकर समाज को सकारात्मक विचाराधारा की ऊर्जा देने का प्रयास कर रहे हैं। साहित्य की विभिन्न विधाओं में वह हिंदी के साथ ही वह हरियाणवी भाषा एवं संस्कृति से दूर होते खासतौर से युवा पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए प्रेरक रचनाओं के संसार को आगे तो बढ़ा ही रहे हैं, वहीं युवाओं और बच्चों के भविष्य की बेहतर कल्पना को लेकर उनकी अक्षरधाम समित नामक संस्था पस्तक संस्कृति के प्रचार प्रसार करने की महिम में अब तक 350 से ज्यादा पुस्तक मेलों का आयोजन करके देश में सर्वाधिक पुस्तक मेले आयोजित कर चुकी है। समाज को साहित्य और संस्कृति के प्रति नई दिशा देने वाली ऐसी गतिविधियों को लेकर साहित्यकार सुरेश जांगिड उदय लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। अपने साहित्यिक सफर के बारे में उन्होंने ऐसे कई पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें साहित्य के जरिए उनका यह रचनात्मक काम समाज को इस आधुनिक युग में भी अपनी संस्कृति की मूल जड़ों से जुड़ने का संदेश देता है। कैथल में 02 जून 1965 को एक साधारण परिवार में जन्मे सुरेश जांगिड़ के घर या परिवार में कोई साहित्यिक माहौल नहीं था, लेकिन शिक्षा के प्रति बेहद जागरुकता थी।

सर्वहिताय का परिचायक है साहित्य: सरेश जांगिड

प्रकाशित पुस्तकें

सुरेश जांगिड़ की 12 पुस्तकों में अहसास (प्रेरक बोध कविताएं) यहीं–कहीं (लघकथा संग्रह-पांच संस्करण), बाट मत जोहना (कहानी संग्रह), एक न एक दिन (कविता संग्रह-दो संस्करण) हरियाणवी लोककथाएं (चार संस्करण), भारतीय संविधान(पांच संस्करण), प्रकृति की अनमोल देन आंवला (पांच संस्करण), टाइम मैनेजमैंट (दस संस्करण), प्रेरक प्रसंग, प्रेरक कहानियां, प्रेरक कथाएं और तेरे होने का अहसास (लघुकविता–संग्रह) शामिल हैं। इसक अलावा उन्होंने छोटी सी हलचल, प्रेमन्द का लघुकथा साहित्य, दोहरे चेहरे संपादित लघुकथा संग्रह जैसी हिन्दी तथा हरियाणवी बोली की 120 से अधिक पुस्तकों का संपादन भी किया है। वहीं उन्होंने पांच पत्र और साहित्यिक पत्रिकाओं में संपादन करने में अहम योगदान किया है।

फिलहाल वह निजी कारणों से अपने एक छोटे से बगीचे में प्रकृति की गोद में अकेला अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जीवन में हर इंसान को किसी न किसी परेशानी से गुजरना पड़ता है, तो उनके साहित्यिक सफर में भी परेशानियां आना स्वाभाविक है।



मसलन उनकी साहित्यिक रुचि घर वालों को कतई पसंद नहीं थी। वह जो चाहते थे नहीं हुआ और उन्हें तकनीकी शिक्षा दिलाई गई, जिसकी बदौलत उन्हें शुगर मिल में नौकरी भी मिल गई, लेकिन मन नहीं लगा तो सब कुछ छोड़कर और अधिक साहित्य

पुरस्कार एवं सम्मान

एक कथाकार के रूप में पहचाने जाने वाले प्रसिद्ध साहित्यकार सुरेश जांगिड़ को हरियाणा साहित्य अकादमी ने वर्ष 2019 के लिए लाला देशबन्धु गुप्त सम्मान से नवाजा है। यह पुरस्कार उन्हें पंचकूला में फरवरी 2022 को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के हाथों प्रदान किया गया। इसके अलावा विभिन्न साहित्यिक मंचों और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उन्हें अनेक पुरस्कार व सम्मान मिल चुके हैं। उनके साहित्य के प्रति समर्पण और योगदान को देखते हुए प्रदेश की अनेक सामाजिक संस्थाएं भी उन्हें अनेक बार विभिन्न पुरस्कारों से नवाज चुकी हैं।

लिखना शुरू कर दिया। तब तक साहित्य के लघुकथा विधा में उनकी अच्छी पहचान हो गई थी। उन्होंने बताया कि देश में पहली बार 'पोस्टर लघुकथा' प्रदर्शनी का विभिन्न शहरों में हुआ, जहां उन्हें लेखकों की खूब सराहना मिली। वैसे भी बचपन से ही उनमें

व्यक्तिगत परिचय **नाम**ः सुरेश जांगिड 'उदय'

जन्म : 02 जून 1965 जन्म स्थानः कैथल (हरियाणा) बीए (प्रकाशन) संप्रतिः अध्यक्षं एवं संस्थापक अक्षरधाम समिति कैथल एवं स्वतंत्र लेखन।

साहित्य की कल्पनाशीलता प्रखर थी, इसलिए उनका चीजों और संबंधों को नजदीक से देखना और उसे अपने मायने में तोलने की आदत कब लेखन में बदल गई उन्हें भी पता ही नहीं चला। उनका साहित्यिक सफर कविताओं से शुरू हुआ। तब वह दसवी कक्षा में थे, तो एक स्थानीय साप्ताहिक समाचार पत्र में उसकी रचनाएं प्रकाशित होना आरंभ हो तो उनका रचनाएं लिखने के प्रति आत्मविश्वास बढ़ने लगा। उनके लेखन में बढ़ती कलम को देखते हुए उन्हें स्थानीय साप्ताहिक समाचार पत्र 'हक परस्त' का साहित्य संपादक भी बनाया गया।

साहित्य की गौरवमय परम्परा

सुरेश जांगिड का मानना है कि साहित्य का मानव जीवन पर बहुत गहरा असर होता है। साहित्य सदा से मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने में सर्वाधिक योगदान देता आ है और देता रहेगा। चाहे कोई भी युग रहा हो साहित्य की स्थिति में थोड़ा बहुत अंतर तो आता ही रहता है। साहित्य आज भी अपने गौरवमय परम्परा के साथ सबसे ऊपर है। साहित्य के प्रति पाठकों में कम होती रुचि पर उनका कहना है कि विज्ञान की तेज प्रगति और जीवन की अंधी होड़ में कई बार साहित्य के पाठक कम होते जाते रहे हैं। इंटरनेट ने इसे पछाडा तो है, लेकिन साहित्य की सार्थकता को कभी भी खत्म नहीं कया जा सकता। हां हर युग में युवाओं के सामने चुनौतियां रहती हैं और आज के दौर में युवा पीढ़ी पर सर्वाधिक बोझ बढ़ा है, क्योंकि जीवन की चुनौतियों और पैसों की अंधी दौड़ में युवा बरगला जाते हैं।

आपको अंत तक जोड़े रखेगी 'छूटते किनारे'



पुस्तक समीक्षा

सौरभ तामेश्वरी

टते किनारे युवा लेखक सुयश त्यागी का दूसरा उपन्यास है। एक युवा के जीवन की कहानी पर केंद्रित इस उपन्यास में उम्र के सभी पड़ावों पर खड़े किरदारों की बात की गई है। उपन्यास का कथानक इतना सहज है कि कुछ पृष्ठ पढ़ते ही आप इसकी कहानी और किरदारों के साथ अपने आप को जोड़ लेंगे। उपन्यास में नायक के विद्यार्थी जीवन के साथ ही उसके संघर्षों, प्रेम, मित्रता सहित अन्य पहलुओं पर बात हुई है। इसमें युवक को एक बुजुर्ग का साथ मिलने एवं उनके परिवार के हिस्सा बनने की रोचक कहानी भी है। चुंकि लेखक

स्वयं अच्छे पाठक हैं, इसलिए उन्होंने इस पुस्तक को छोटे-छोटे अध्यायों में बांटा है। यह पढ़ने को आसान बनाता है। वर्तमान परिदृश्य को देखें तो थाने तहसील के नाम को सुनकर हम कई बार असहज महसूस करते हैं, लेकिन इस पुस्तक की कहानी पढते ही आपको आनंद आएगा। यहां शुरुआत थाने से हुई है। लेखक ने इस पूरे घटनाक्रम को बेहद ही रोचक अंदाज से ढाला है। यह किस्सा पढ़ते हुए आपके सामने बड़ा ही हास्यास्पद घटनाक्रम चल पड़ेगा। पुस्तक में थाने का किस्सा जब आप पढ़ेंगे तो वहीं से पुस्तक आपको अपने से जोड लेगी। इसको पढ़ने से आपमें बड़ी ही जिज्ञासा पैदा होगी। इसी जिज्ञासा में आप पुस्तक को कब खत्म कर देंगे पता ही नहीं पड़ेगा। 'छूटते किनारे' में जिस पात्र पर

ज्यादा बात हुई है, उसके बचपन का एक घटनाक्रम बेहद ही शिक्षाप्रद है। यह किस्सा बताता है कि बच्चे तो कुछ भी पसंद कर लेते हैं, परंतु परिजनों की जिम्मेदारी है कि उन्हें बेहतर के बारे में बताएं। पुस्तक में जैसे ही युवक का प्रेम प्रसंग आएगा, तब आपके सामने एक सुंदर और समझदार लड़की आएगी। जिसके साथ के घटनाक्रम को वर्तमान परिदृश्य से जोड़कर देखना आवश्यक है। अगर आप युवा हैं तो यह किस्सा पढ़कर आपके समक्ष प्रेम संबंध बनाए रखने की समझ विकसित होगी।

सरल भाषा में लिखे इस उपन्यास में व्यक्तिगत रूप से कई स्थानों पर जुड़ाव महसूस किया। यह उपन्यास उम्र के हर पड़ाव पर खड़े व्यक्तियों के लिए है। लॉकडाउन में लिखी उनकी एक कविता पदेश के अलग-अलग हिस्सों में पहुंची थी। उस कविता ने लोगों का हौसला बढ़ाया था, उस कठिन समय उन्होंने उम्मीद का एक चिराग जलाया था। इससे पहले उनकी पुस्तक 'ये फितूर और कश्मीरियत' काफी सराही गई थी।



दूसरी बेटी के जन्म पर किया गया कुआं पूजन

खरखौदा। शहर के वार्ड 15 में दूसरी बेटी की जन्म पर कुआं पूजन किया गया। इस दौरान अड़ोस-पड़ोस के लोगों ने बेटी के जन्म पर परिवार को बधाई दी। आशा वर्कर सोनिया ने बताया कि रजनी और महेश के घर पर दुसरी रुहानी बेटी हुई है। पहली बेटी आराध्या का जन्म वर्ष 2020 में हुआ था। अब फिर से रजनी ने बीते महीने बेटी को जन्म दिया है। ऐसे में परिवार की तरफ से दूसरी बेटी के जन्म पर खुशियां मनाई जा रही है।



फूलमाला अर्पित कर मनाई बाबा साहब की जयंती

सोनीपत। गांव राठधना में बाबा साहेब अंबेडकर यथ डेवलपमेंट वेलफेयर सोसायटी द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर समता सैनिक दल की ओर से बतौर मुख्य अतिथि कैप्टन यशवंत राव चौहान प्रदेश अध्यक्ष समता सैनिक दल ने हिस्सा लिया

११ केवी की लाइन से 450 मीटर तार चोरी

गन्नौर। गुमड़ गांव के पास 11 केवी की लाइन से चोर 450 मीटर तार चोरी कर ले गए। निगम ने चोरी की शिकायत गन्नौर पुलिस को दी है। शिकायत में निगम के कर्मचारी ने बताया कि उनकी 11 केवी की लाइन है। गांव गुमड़ के पास 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। 3 मार्च की रात को चोर ट्रांसफार्मर के पास से करीब 450 मीटर तार चोरी कर ले गए। गन्नौर थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के विरूद्ध केंस दर्ज कर खोजबीन शुरू कर

पड़ोसियों के साथ मारपीट पिता-पुत्र पर केस दर्ज

गन्नौर। भाखरपुर गांव में एक व्यक्ति ने अपने बेटे के साथ मिल कर व पडोसियों के साथ मारपीट कर दी। आरोपित ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। घायल ने मामले की शिकायत गन्नौर थाना पुलिस को दी है। शिकायत में भाखरपुर निवासी सुनील ने बताया कि शनिवार की शाम को वह अपने भाई के साथ घर पर था। इस बीच हरनाम व उसका बेटा घर आए और खेत से सामान उठाने की बात को लेकर उसके भाई के साथ मारपीट करने लगे।

घर में घुस कर मारपीट चार पर केस दर्ज

गन्नौर। खेड़ी तगा गांव में घर में घुस कर मारपीट के आरोप में पुलिस ने एक महिला समेत चार के विरूद्ध केस दर्ज किया है। बड़ी थाना में दी शिकायत में खेड़ी तगा गांव के अशोक ने बताया कि उसके चाचा जय भगवान व उनके घर आया था। आरोप है कि घर में आते ही उसके चाचा के लड़के विक्की ने उसे गाली दी और लोहे के कडे.से उसके सिर पर चोट मारी। विक्की के बड़े भाई जयबीर ने भी उसके साथ मारपीट की।

महिला के साथ मारपीट मां-बेटे पर केस दर्ज

गन्नौर। बजाना कला गांव में एक महिला व उसके बेटे ने गांव की महिला के साथ मारपीट कर दी। घायल महिला ने मामले की शिकायत थाना गन्नौर में दी। शिकायत में बजाना कला गांव की मनीषा ने बताया कि 20 अप्रेन को वह अपने घर के बाहर कपड़े धो रही थी। इस बीच वहां पर दर्शना अपने पालतू कुत्ते के साथ उनके मकान के सामने गोबर डालने आई थी। उसके कुत्ते ने उनके बर्तनों पर पेशाब कर दिया। इसके बाद दर्शना का बेटा मंजीत भी वहां आया उसका गला दबा कर नीचे गिरा दिया और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि मंजीत ने उस पर ईंट से हमला किया।

बीसीए तृतीय वर्ष की कीर्ति बनी मिस फेयरवेल

छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सभी को किया आकर्षित

गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन में निवर्तमान बैच का विदाई समारोह किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶े गन्नौर

गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन में निवर्तमान बैच का विदाई समारोह किया गया। छात्रों ने पुरानी यादों और हंसी से भरे कार्यक्रम में विभिन्न छात्रों को उपाधियों से सम्मानित किया गया। बीसीए तृतीय वर्ष के किशोर को मिस्टर फेयरवेल का ताज पहनाया गया, बीसीए तृतीय वर्ष की कीर्ति को मिस फेयरवेल का खिताब दिया गया। बीसीए तृतीय वर्ष के सागर दुग्गल ने मिस्टर टैलेंटेड और बी.ए. की मंजु ने मिस टैलेंटेड का खिताब जीता। विशाल बीएससी तृतीय वर्ष को मिस्टर पर्सनैलिटी एवं आरती को बी.ए. से मिस पर्सनैलिटी का खिताब दिया गया। जीएनआईएचई के चेयरमैन ने सभी छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शभकामनाएं दीं और उन्हें अपने चुने हुए रास्ते पर उत्कृष्टता प्राप्त



कार्यक्रम के दौरान विजेता छात्र कालेज प्राचार्या डा. अर्चना आर्य के साथ।

करियर काउंसलिंग में छात्रों का किया मार्गदर्शन

गन्नौर। डीआईटीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में एस आरके स्किल सेंटर व सोनीपत एजुकेशन हब द्वारा कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गरा। जिसमें २०८ विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में एक्सपर्ट मोहित बंसल ने बताया कि 10वीं और 12वीं के बाद बच्चे कैसे अपने विषय चून सकते हैं और



रैंक हासिल करने वाली निशु त्यागी,डीआईटीएम कॉलेज के डायरेक्टर डॉ नीरज शर्मा ,एसआरके स्किल सेंटर के डायरेक्टर स्वाति व जोगिंद्र ने शिरकत कर छात्रों का मार्गदर्शन किया। इस मौके पर राजेश ढेवेंढ साक्षी व प्रियंका मौजूद रहे। सेंटर के डायरेक्टर जोगिंदर राजपूत सिंह ने सभी विद्यार्थियों को मोटिवेट करते हुए कहा कि आज के प्रोग्राम का हमारा मुख्य उद्देश्य आपके लक्ष्य चुनने में मदद करना था। कार्यक्रम में आए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रिंसिपल डॉ. अर्चना आर्य ने भी छात्रों को उनके भविष्य के सभी में सफलता की

शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में अरविंद, ज्योति, रेनू और मीनू सहित बड़ी संख्या में छात्रों और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।



निशु त्यागी को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते निदेशक अनुज त्यागी व अन्य

यूपीएसई में चयनित निशु के सम्मान में हुआ समारोह का आयोजन

- स्कूल के निदेशक अनुज त्यागी व मुख्याध्यापिका प्रिया त्यागी ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया
- निशु त्यागी ने छात्रों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶े गन्नौर

जी टी रोड स्थित गार्गी गुरूकुल में यूपीएसई की परीक्षा में 752 वां रैंक हासिल करने वाली निशु त्यागी का गुरूकुल में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। स्कल के निदेशक अनुज त्यागी व मुख्याध्यापिका प्रिया त्यागी ने पुष्पं गुच्छ देकर स्वागत किया। निशु त्यागी ने छात्रों को अपने संबोधन में आगे बढने के लिए प्रेरित किया। त्यागी ने सभी विद्यार्थियों को सिविल सर्विस परीक्षा के बारे में जानकारी दी और उन्हें देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया उन्होंने बताया कि वह गार्गी अकडेमी में अध्यापिका भी रह चुकी है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि सफलता का रहस्य केवल परिश्रम और दृढ़ संकल्प है। उन्होंने कहा कि मन में कुछ करने की इच्छा हो और मेहनत की जाए जो आप अपने लक्ष्य तक पहुंच सकते है।



हमारी संस्कृति हमारी पहचान और हमारी धरोहर : रणदीप

हरिभूमि न्यूज ▶े। गोहाना

गांव रुखी में रविवार को दादी रुखा मंदिर पर कलश स्थापना समारोह आयोजित किया गया। मंदिर पर कलश स्थापना विधि विधान के साथ आयोजित की गई। इस विधान में पहले हवन हआ और 108 सुहागिनों द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। हवन के मुख्य यजमान समाजसेवी रणदीप मलिक रहे। यह समारोह रभड़ा से बाबा चमन नाथ और बाबा ब्रदीनाथ के सानिध्य में

गांव रूखी के दादा रूखा मंदिर में पुरे गांव की आस्था है। ग्रामीणों द्वारा करीब 1 साल पहले इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। मंदिर

पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में किया पौधरोपण

निर्माण में समाजसेवी रणदीप मलिक ने 11 लाख 11 हजार 11 रुपये की राशि दानस्वरूप दी थी। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी पहचान और हमारी धरोहर है। हमें अपनी पहचान को बनाए रखने के लिए अपनी संस्कृति को मजबृत बनाना होगा। मंदिर में कलश स्थापना समारोह कई दिन तक चला, जिसमें प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक हवन करवाया गया। दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक पूजन क्रिया हुई। इस मौके पर गांव के सरपंच राजमल मलिक, जय भगवान फौजी, प्रधान हरज्ञान सिंह, रामकुमार चहल, सोन् व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर युवती से कई बार दुष्कर्म गोहाना। महिला थाना गोहाना क्षेत्र की २१ साल की युवती को करनाल के एक युवक

ने शादी का झांसा देकर उससे कई बार दुष्कर्म किया। उनकी मुलाकात प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते समय हुई थी। शादी से मना करने पर युवती ने पलिस को शिकायत दी। शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। युवती ने पुॅलिस को बताया कि वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी। करनाल का एक युवक भी नौकरी करता था, जिससे उसका संपर्क हुआ।

एसीपी ने हरी झंडी दिखाकर 182 प्रमु को मेजा आश्रम

हरिभूमि न्यूज 🕪 सोनीपत

समाज कल्याण शिक्षा समिति व सब इंस्पेक्टर जगत सिंह द्वारा मंदबृद्धि एवं बेसहारा (प्रभू) को पकड़कर आश्रम भेजने की मुहिम चलाई जा रही है। इसी मुहित के तहत समिति द्वारा रविवार को 182वां प्रभु आरम भेजा गया।

समिति के प्रधान आनंद कुमार ने बताया कि मंजीत दहिया को गीता भवन चौक पर एक प्रभु मिला। मंजीत दहिया ने पहले उस प्रभु की वीडियो बनाकर प्रधान आनंद कुमार को भेजी और फिर 112 पर



सोनीपत। प्रभ को आश्रम भेजने के लिये हरी झंडी दिखाते हए एसीपी।

फोन किया। 112 वाली गाड़ी आई और उस प्रभु को सिविल लाइन थाने में ले गई। तब तक आनंद कुमार ने अपना घर आश्रम दिल्ली पुटखुर्द से एंबुलेंस को बुला लिया। सिविल लाइन थाने से पुलिस फॉर्मेलिटी करवा ली गई, उसके बाद उस प्रभु को एसीपी राहुल देव द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना

सिसाना में निकली कलश यात्रा

खरखौदा। सिसाना के प्राचीन शिव मंदिर में रविवार को हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालु महिलाओं ने पहंचकर कलश उठाए और गांव भर में निकाली गई कलश यात्रा का हिस्सा बनी। इस दौरान ढोल बाजे व भजनों के साथ यात्रा को निकाला गया। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम के तहत सोमवार को मंदिर में एक हवन का आयोजन किया जाएगा और मंगलवार को एक विशाल भंडारे के साथ ही रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही भजन मंडली द्वारा इस दौरान भजन-कीर्तन किए जाएंगे।

हरिभूमि न्यूज ▶े गन्नौर

रौनक पब्लिक स्कूल में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में पौधारोंपण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या रजनी शर्मा के निर्देशन में कक्षा 12वीं के छात्रों के साथ शिक्षकों ने इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग दिया। प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने बताया कि भावी पीढ़ी को सुसंस्कृत करना ही वास्तविक शिक्षा है। भारतीय संस्कृति में तो पेड़ों की पुजा की जाती रही है। हमारे वेद संपूर्ण संसार को प्रकृति के महत्व बताने वाले प्रथम प्रमाणित ग्रंथ हैं और हम इस धरोहर को भावी पीढ़ी तक केवल पहुंचाना ही नहीं उनमें समाहित भी



कल्पना ना करें। रौनक पब्लिक

स्कुल अपने पुरोधाओं की वाणी को

जन-जन तक पहुंचाने व कर्मरत

करने के पुनीत कार्य को सदा की

अवगत कराया

करते हुए पृथ्वी

दिवस पर रौनक

पब्लिक स्कूल के

छात्र व शिक्षक ।

प्रधानाचार्या

रजनी शर्मा ने

महत्च के बारें

छात्रों को पेड़ों के

भांति अग्रणी बनकर करता रहेगा। शर्मा ने कहा कि पौधरोपण के साथ हमें उनकी देखरेख का भी संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में शिक्षकों ने भी छात्रों को पृथ्वी दिवस के बारे में जागरूक किया।

मनुष्य को हमेशा सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए : वीरेंद्र कादियान

हरिभूमि न्यूज▶े गन्नौर

शहर के श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन समाज, जैन गली में सकल दिगंबर समाज गन्नौर की ओर से भजन संध्या एक शाम भगवान महावीर के नाम का आयोजन किया गया। रविवार को सुबह प्रभात फेरी के बाद शहर में रथयात्रा निकाली गई, जोकि शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए मंदिर में समापन हुआ। भजन संध्या में समाज की प्रतिभाओं ने वीर प्रभु महावीर की भक्ति का ऐसा राग छेडा कि भक्त उनके भजनों पर थिरकने

से स्वयं को नहीं रोक पा रहे थे। भजन संध्या की शुरूआत दीप प्रज्जवल एवं वीर प्रभुं की वंदना के साथ हुई। मुख्यातिथि समाजसेवी वीरेंद्र कादियान ने कहा कि मनुष्य को सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए। ईश्वर की भक्ति और दान पुण्य मनुष्य को करते रहना चाहिए। भगवान महावीर के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। हमेशा दूसरे व्यक्ति की सहायता के लिए तैयार रहना चाहिए। कार्यक्रम समापन पर मुख्यातिथि वीरेंद्र कादियान को आयोजकों ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

रथयात्रा निकाल मनाई भगवान महावीर स्वामी की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶ें। सोनीपत

देश-दुनिया को अहिसां एवं मानवता का संदेश देने वाले भगवान महावीर की 2623वीं जयंती शहर में धूमधाम से मनाई गई। शहर में रथयात्रा के साथ-साथ सबह-सबह अलग-अलग स्थानों पर प्रभात फेरियों व पालकी यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बडी संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालु नाचते गाते चल रहे थे।

सुबह पांच बजे सैक्टर 14 से शुरू हुई प्रभात फेरी का नेतृत्व करते



रथयात्रा में शामिल पूर्व मंत्री कविता जैन साथ में अन्य। **फोटो : हरिभूमि**

हुए मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव जैन ने महावीर जयंती की

बधाई देते हुए भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, क्षमा जैसे सिद्धांतों को आत्मसात करके जीवन में अपनाने का संदेश दिया। पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन एवं दिव्यांक जैन द्वारा झंडी दिखाकर सैक्टर 15 मंदिर से भगवान महावीर पालकी रथ में सवार होकर धमधाम से निकले। इससे पूर्व दिगम्बर जैन मंदिर मंडी में तीन दिन से चल रहे उत्सव के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर गणमान्य लोग उपस्थित

रहे।



सोनरीपत्। अधिवेशन में मौजूद पदाधिकारीगण।

<u>भवन निर्माण श्रमिक संघ का अधिवेशन संपन्न</u>

सोनीपत। सेवा साधना केंद्र मुरथल सोनीपत में भवन निर्माण श्रमिक संघ हरियाणा का अधिवेशन राम मेहर जांगड़ा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री हवा सिंह मैहला, प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार, प्रदेश मंत्री देवीलाल खुराना, जयदेव कोटडा उपस्थित रहे। इस दौरान प्रदेश महामंत्री रवि कुमार, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष नीरज कुमार मावी, कोषाध्यक्ष रजत, संगठन मंत्री देवीलाल गुणा, प्रेस सचिव विनोंद खेड़ा, सलाहकार जयदेव कोटडा, मोमीन

जयंती पर स्वर्णिम रथ पर निकाली मगवान महावीर की शोभायात्रा

 शहर में जगह-जगह पर शोभायात्रा पर बरसाए फूल, किया

हरिभूमि न्यूज≯ेेेे गोहाना

रविवार को 24वें जैन तीथंर्कर भगवान महावीर की जयंती पर गोहाना शहर में उनकी शोभायात्रा ऐतिहासिक स्वर्णिम रथ पर निकाली गई। शोभायात्रा का शहर में जगह-जगह पर भव्य स्वागत

गोहाना में प्रति वर्ष स्वर्णिम रथ पर ही भगवान महावीर की शोभायात्रा निकाली जाती है। यह रथ ऐतिहासिक है। कितनी सदियों पुराना है, इस का कोई आधिकारिक विवरण उपलब्ध नहीं है। पूरे वर्ष इस स्वर्णिम रथ को जैन समाज बड़े



गोहाना। शोभायात्रा निकालते हुए श्रद्धालु।

सहेज कर रखता है। इसे केवल भगवान महावीर की जयंती पर बाहर निकाला जाता है। शोभायात्रा सराय मोहल्ला स्थित श्री शांति नाथ दिगंबर जैन मंदिर से पूरी धूमधाम से प्रारंभ हुई। शोभायात्रा का विशेष आकर्षण भगवान महावीर के जीवन पर आधारित पांच झांकियां थीं। शोभायात्रा में भगवान महावीर

के सारथी प्रवेश उर्फ रिंकू जैन पुत्र सतीश जैन बने। इस शोभायात्रा से पूर्व शनिवार की रात को मेन बाजार स्थित जैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि स्कूल के मैनेजर वीरेंद्र जैन उर्फ गुल्लू थे। अध्यक्षता स्कूल के प्रिंसिंपल के.एल. दुरेजा ने की।

आयोजन

श्रद्धांजिल समारोह में जैन् धर्म के अनुयायियो ने स्वामी माहावीर को किया नमन

पुराना बस स्टैंड गोहाना स्थित भगवान महावीर चौक पर स्वामी महावीर की जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया

हरिभुमि न्यूज ▶▶| गोहाना

पुराना बस स्टैंड गोहाना स्थित भगवान महावीर चौक में रविवार को भगवान महावीर की जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नागरिकों ने भगवान महावीर के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि देकर नमन किया। समारोह का मंच संचालन

आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के तत्वावधान में हुआ कार्यक्रम

सत्य अहिंसा और त्याग के परिपालक थे भगवान महावीर



गोहाना। भगवान महावीर को नमन करते हुए नागरिक।

मोर्चे के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह

मुख्य अतिथि गोहाना की गौशालाओं के पूर्व अध्यक्ष जय नारायण गुप्ता ने कहा भगवान महावीर सत्य, अहिंसा और त्याग के परिपालक थे। उन्होंने जीवन भर

अनगिनत संघर्षों को झेला, दुखों को सहा, दुख में से सुख खोजा और गहन तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुंचे। इसलिए वे हमारे लिए आदर्श की ऊंची मीनार बन गए। भगवान महावीर ने हमें समझ दी की महानता कभी भौतिक

पदार्थो, सुख सुविधाओं, संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृति से प्राप्त नहीं की जा सकती। उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता है, नैतिकता के पथ पर चलना होता है और अहिंसा की जीवन शैली अपनानी होती है। जयंती समारोह की अध्यक्षता मोर्चे के निदेशक डॉ. सुरेश सेतिया ने की। इस अवसर पर मोर्चे के महासचिव डॉ. समुद दास, हर भगवान चोपड़ा, राजपाल कश्यप, सतबीर पौडिडिया , रमेश मेहता, एडवोकेट रविंद्र शर्मा ,मदन अत्री, सतबीर रैबारी, जग महेंद्र बाजवान ,सचिन बाजवान ,हर भगवान चोपड़ा प्रभु कथूरिया व बिट्ट सहरावत विशेष रूप से उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

अलग-अलग स्थानों से अवैध हथियार सहित दो

सोनीपत। क्राइम यूनिट वेस्ट व सदर थाना सोनीपत पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से अवैध हथियारों सहित दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित रमन निवासी रिठाल रोहतक व अक्ष्य उर्फ अक्की निवासी बागड़ी मोहल्ला सोनीपत का है। सीआईए-1 में तैनात सिपाही राजेश ने बताया कि उनकी टीम गश्त के दौरान बहालगढ रोड पर मौजूद थी। उसी दौरान युवक संदिग्ध हालत में घुमता हुआ मिला। उसे रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके पास अवैध हथियार व दो जिंदा रौंद मिले। वहीं सदर थाने में तैनात सिपाही प्रदीप ने बताया कि उनकी टीम ने गश्त के दौरान महलाना रोड से संदिग्ध हालत में घुम रहे आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से पुलिस ने पिस्तौल व जिंदा रौंद बरामद किया है।

मारपीट के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। मुरथल थाना पुलिस ने मारपीट के मामले में उद्घोषित दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित सुनील उर्फ सुशील व रवि निवासी कादीपुर दिल्ली के है। जांच अधिकारी जोगिंद्र ने बताया कि वर्ष 2018 में मारपीट के मामले में फरार आरोपितों को अदालत ने 2024 में फरार अपराधी घोषित किया था।

युवक की संदिग्ध हालत में मौत, पिता पर आरोप

सोनीपत। मोहाना थाना क्षेत्र में संदिग्ध हालत में युवक की मौत हो गई। मृतक के परिजन उसके शव का दाह संस्कार करने लगे। किसी अज्ञात सूचना के बाद मौके पर पहुंची मोहाना थाना पुलिस ने चिता से शव के अवशेषों को निकाला। उसके बाद अवशेषों को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। पुलिस ने गांव के सरपंच के बयान पर मृतक के पिता के खिलाफ हत्या व शव को खुर्द-बुर्द करने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। सोमवार को शव के अवशेषों का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। गांव बोहला निवासी राजसिंह ने बताया कि वह मौजूदा समय में गांव का सरपंच है। रविवार सुबह उसे पता चला कि रोहित (23) की मकान की सीढ़ियों से गिरने से लगी चोटों के कारण मौत हो गई। जिसके बाद वह ग्रामीण व रोहित के परिजन उसके शव का अंतिम संस्कार करने के लिए श्मशान घाट पहुंचे। जहां अंतिम संस्कार में खुद शामिल हआ। उसे जानकारी मिली कि रोहित की मौत सीढियों से गिरने से नहीं बेल्कि उसके पिता जयप्रकाश द्वारा मारी गई चोटों के कारण हुई है। मामले की सचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने श्मसाान घाट में जल रही चिंता से रोहित के शव के अवशेषों को निकाला। चिता में रोहित का शव करीब 80 प्रतिशत जल चुका था। उसे कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां से चिकित्सक ने उसे पोस्टमार्टम के लिए महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल

खानपुर में रेफर कर दिया।

डीसी ने सभी खरीद एजेंसियों के गोदामों का किया निरीक्षण

उपायुक्त ने लेबर को बढ़ाकर उटान कार्य को गति देने के दिए निर्देश

गोदामों की जांच करते हुए गेहूं के कट्टों को उतारने के लिए प्वाइंट बढाने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज≯≯| सोनीपत

मौसम के बदलाव के चलते खेत में गेहूं की फसल कटवाने के लिए किसानों ने आधुनिक मशीनरी का प्रयोग करने में तेजी दिखानी शुरू कर दी है। जिसके चलते मंडियों में गेहं की फसल कम समय में ज्यादा मात्रा में पहंचने लगी है। मंडियों में अनाज की बोरियों भरी पड़ी है। वहीं किसानों को मजबूरन खुले आसमान के चीने अपना सोना डालना पड़ रहा है। वहीं अनाज मंडियों व फसल खरीद केंद्रों में फसल उठान को गति देने के उद्देश्य से उपायक्त ने रविवार को सभी खरीद एजेंसियों के गोदामों का गंभीरता से निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि उपलब्ध क्षमता का पूर्ण उपयोग करते हुए लेबर को बढ़ाकर उठान कार्य को गति दी जाए। इसके लिए उन्होंने गोदामों में अनलोडिंग प्वाईंट्स को भी बढाने





के निर्देश दिए। उपायुक्त डा. मनोज रोड पर कालुपुर चुंगी के निकट कुमार अनाज मंडियों में फसलों की एचडब्ल्यूसी के गोदाम की पड़ताल आवक में आई तेजी के दृष्टिगत से की। उसके बाद उपायुक्त माहरा उठान कार्य को भी गति देने के लिए स्थित गोदाम में पहुंचे, जहां गन्नौर, प्रयासरत हैं। उन्होंने उठान कार्य का कासंडा तथा पुरखास से गेहं आता है। उन्होंने ट्रांसपोर्टर, आढितयों तथा लक्ष्य निर्धारित करते हुए उसकी पूर्ति के लिए तेज कदम बढ़ाये हैं। गोदाम संचालकों से सीधी बात जिला उपायक्त सबह ही स्वयं करते हुए गोदाम में गेहं उतारने की गोदामों के निरीक्षण के लिए निकले। स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने उन्होंने हरियाणा वेयरहाऊस, हैफेड, निर्देश दिए कि अनलोडिंग कार्य को डीएफएससी तथा एफसीआई के गति देने के लिए लेबर को बढायें। दिन-रात उठान व अनलोडिंग का गोदामों की बारीकी से जांच की, जिसकी शुरूआत उन्होंने रोहतक काम करें, ताकि मंडियां जल्द खाली

झगड़े से परेशान बुजुर्ग

मोबाइल टॉवर पर चढ़ा

गोहाना। गांव मदीना में पड़ोसियों के झगड़े से परेशान

एक बुजुर्ग रविवार दोपहर को गांव में चौपाल के निकट

मोबाइल टावर पर चढ गया और आत्महत्या की धमकी

देने लगा। उसने एक कागज पर परेशान करने वाले

लोगों के नाम भी लिखे। बुजुर्ग के टावर पर चढ़ने की

सूचना पर बरोदा थाना से पुलिस टीम के साथ मौके पर

पहुँचे। पुलिस अधिकारियों और ग्रामीणों ने उसे

समझाकर टावर से नीचे उतारा और उचित कार्रवाई का

आश्वासन दिया। गांव मदीना का आनंद (70) शुक्रवार

दोपहर लगभग 12 बजे गांव में चौपाल के निकट

मोबाइल टावर के पास पहुंचा। दोपहर लगभग दो बजे

वह टावर पर काफी ऊंचाई पर चढ़कर बैठ गया और

कुछ लोगों द्वारा बेवजह परेशान करने का आरोप

लगाकर आत्महत्या की धमकी देने लगा। इससे टावर

के पास ग्रामीणों को जमावड़ा लग गया। उसने एक

कागज नीचे फेंका, जिस पर लिखा गया था कि सतीश,

गीता, जतीन उसके परिवार से झगड़ा करते हैं। 17 मार्च

को उससे झगडा किया गया और उसके और उसके

स्वजन के विरुद्ध मामला दर्ज करवा दिया गया। एक

व्यक्ति स्वयं को डाक्टर बताता है और फैसला करवाने

के लिए मोटी रकम की मांग करता है।

हों। इसके पश्चात उपायुक्त डा. मनोज कुमार पहुंचे। गोहाना में एफएसडी की जांच के बाद उन्होंने एचडब्ल्यूसी तथा हैफेड के गोदामों की पड़ताल की। उन्होंने निर्देश दिए कि गोदामों में अनलोडिंग प्वाईंट बढ़ायें, ताकि गाड़ियों को जल्द खाली करवाया जा सके। इससे उठान कार्य का विशेष रूप से गति मिलेगी। उन्होंने सभी गोदामों में अतिरिक्त रूप से क्षमता अनुसार दो से चार हजार मीट्रिक टन गेहूं के रखाव के निर्देश दिए। उपायुक्त ने

कहा कि गेहूं उठान से मंडियों में स्थान की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे शेष बची फसल की भी तुरंत खरीद होगी। इसके लिए गोदामों में लेबर बढ़ाने की गए हैं। इस दौरान गोहाना के एसडीएम विवेक आर्य, जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक विंशल सहरावत,

आवश्यकता थी, जिसके निर्देश दिए हैफेड के डीएम उमाकांत, मार्केट कमेटी गोहाना के सचिव जितेंद्र कुमार तथा गन्नौर के दीपक आदि अधिकारी-कर्मचारी मौजुद थे।



<mark>गोहाना ।</mark> निरीक्षण के दौरान जिला उपायुक्त डा . मनोज कुमार, साथ में एसडीएम

गेहूं के कट्टे उतारने के लिए प्वाइंट्स बढ़ाने के निर्देश

हरिभुमि न्यूज▶े। गोहाना

अनाज मंडियों व फसल खरीद केंद्रों में फसल उठान को गति देने के उद्देश्य से रविवार को जिला उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने सभी खरीद एजेंसियों के गोदामों निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि उपलब्ध क्षमता का पूर्ण उपयोग करते हुए लेबर को बढाँकर उठान कार्य को गति दी जाए।

उन्होंने गोदामों में अनलोडिंग प्वाईंट्स को भी बढ़ाने के निर्देश दिए। उपायुक्त डा. मनोज कुमार अनाज मंडियों में फसलों की आवक में आई तेजी के दृष्टिगत उठान कार्य को भी गति देने के लिए प्रयासरत हैं। उठान कार्य का लक्ष्य निर्धारित करते हुए उसकी पूर्ति के लिए तेज कदम बढ़ाये हैं। जिला उपायुक्त उन्होंने हरियाणा वेयरहाऊस, हैफेड, डीएफएससी तथा एफसीआई के गोदामों की बारीकी से जांच की। अनाज मंडियों व फसल खरीद केंद्रों में फसल उटान को गति प्रदान करें : डीसी

उन्होंने निर्देश दिए कि गोदामों में अनलोडिंग प्वाइंट बढ़ाए जांए ताकि गाड़ियों को जल्द खाली करवाया जा सके। इससे उठान कार्य का विशेष रूप से गति मिलेगी। उन्होंने सभी गोदामों में अतिरिक्त रूप से क्षमता अनुसार दो से चार हजार मीट्रिक टन गेहूं के रखाव के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि गेहूं उठान से मंडियों में स्थान की उपलब्धता बढेगी, जिससे शेष बची फसल की भी तुरंत खरीद होगी। इस दौरान गोहाना के एसडीएम विवेक आर्य, जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक विंशल सहरावत, हैफेड के डीएम उमाकांत, मार्केट कमेटी गोहाना के सचिव जितेंद्र कुमार तथा गन्नौर के दीपक आदि मौजूद थे।

टाटा एसीई ने बाइक सवार को चपेट में लिया

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र के नाथुपुर फ्लाईओवर के पास तेज रफ्तार टाटा एसीई ने मोटरसाइकिल सवार युवक को चपेट में ले लिया। हादसे में युवक घायल हो गया। उपचार के लिए उसे नरेला दिल्ली स्थित राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

पुलिस ने आरोपित चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गली नंबर-8 दयालपुर दिल्ली निवासी सीरानुद्दीन ने उसका भाई नसरूदीन व मो. समीम पीयूएफ पैनल का काम करते है। रविवार को करीब 9 बजे बाइक पर सवार होकर सोनीपत सामान लेने के लिए

विजेता

साध

खिलाडी के

प्राचार्या एवं

अन्य ।फोटो

: हरिभूमि

अवैध ञ्चाराब से लदी दो गाडियां पकडी खरखौदा। सीआइए, सोनीपत की

टीम ने खरखौदा से अवैध शराब से भरी दो गाडियां पकड़ी हैं। जिनमें शराब को लादकर बिहार ले जाया जा रहा था। पुलिस कार्यवाही के दौरान गाडी का चालक फरार हो गया, जबिक दूसरी गाड़ी के चालक को पुलिस ने पकड़ लिया। चालक करनाल की विकास कालोनी का रहने वाला मोनू है। सीआइए, सोनीपत को सूचना मिली थी कि खरखौदा के रास्ते बिहार शराब ले जायी जानी है। सचना पर एएसआई सरेंद्र ने वाहनों पर नजर रखनी शरू कर दी। सोनीपत चौक के पास पुल के करीब टीम ने दो गाड़ियों को आता देखकर शक के आधार पर रुकने का इशारा किया तो उन्होंने भागने का प्रयास किया। ऐसे में गाडी का चालक तो गाड़ी छोड़कर फरार हो गया, दूसरे को टीम ने



पीपल, बरगद और नीम के 14 पौधे रोपे

गोहाना। रविवार को समाज कल्याण संगठन ने अपने साप्ताहिक पौधारोपण अभियान में शहर में आरओबी के निकट पार्क रोड पर स्थित श्मशान घाट में पौधे रोपे। इस श्मशान घाट में कुल १४ नए पौधे रोपे। ये पौधे पीपल. बरगढ़ और नीम के थे। समाज कल्याण संगठन दो दशक से गोहाना शहर को ग्रीन सिटी बनाने के लिए पौधारोपण अभियान संचालित कर रहा है। इस शृंखला में हर रविवार को जहां सार्वजनिक स्थलों पर नए पौधे लगाए जाते हैं, वहीं पहले से लगे हुए पुराने पौधों की देखभाल करते हुए उनकी नलाई और गुड़ाई भी की जाती है तथा उन्हें वाटर टैंकर से पानी दिया जाता है। पौधारोपण के लिए श्रमदान बलजीत जांगड़ा, सुनील कुमार, अभिमन्यु शर्मा, डॉ. बिजेंद्र कुमार, सुभाष बरोगा, प्रवीण कुमार, जगदीश अस्सीवाल, मनोज कुमार, हरीश कुमार, मुकेश कुमार, अजीत चौहान आदि ने किया।

आरपीएफ डीजी ने शहीद हवलदार को दी श्रद्धाजाल दिवस पर सीआरपीएफ की परी टीम

हरिभूमि न्यूज ▶ेेेे गोहाना

रविवार को सीआरपीएफ के डीजी कोमल सिंह आहुलाना गांव में पहुंचे और शहीद हवलदार हवा सिंह के 31वें शहीदी दिवस पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीआरपीएफ ने एक नई परम्परा प्रारंभ की है। सीआरपीएफ में कार्यरत रहते जो जवान अपने प्राणों की आहति देते हैं, उनके शहीदी

शहीद के पैतृक गांव में पहुंच कर नमन करती है। श्रद्धांजलि सभा के आयोजन के लिए सीआरपीएफ की टीम टैंट भी अपने साथ ले कर आती है। हवलदार हवा सिंह 21 अप्रैल 1993 को श्रीनगर में हुए आतंकी हमले में शहीद हो गए थे। उन्हें श्रद्धासमन भेंट करने के लिए डीजी कोमल सिंह के साथ डीएसपी जितन कुमार, एसआई कर्मबीर आदि भी पहुंचे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में दिवंगत शहीद की पत्नी राम कौर, बेटा जीतेंद्र, भतीजा अमरजीत आदि भी मौजुद रहे। आहलाना बारहा के अध्यक्ष मिलिक राज मिलिक के साथ राम स्वरूप, सुभाष, रामफल, राजेश, महेंद्र आदि ग्रामीणों ने भी शहीद हवलदार हवा सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

खांडा व चोलका गांवों में ३५ एकड़ की फांस जली

खरखोदा। खाडा व चोलका गाव के खेतों में अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिससे करीब 35 एकड के फांस जल गए। किसानों ने हाइड्रो से ट्रैक्टर चला कर मिट्टी खुदाई की, ताकि आग को आगे फैलने से रोका जा सके। इसी दौरान खरखौदा हलका के विधायक जयवीर वाल्मीकि घटनास्थल के पास से गजर रहे थे. वह किसानों के पास रुके और उन्होंने एसडीएम को फोन करके तरंत दमकल केंद्र की गाडी मौके पर भेजने के लिए कहा। दमकल की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाया गया। तब तक करीब 35 एकड़ के फांस जलकर राख हो चुके थे। जिनमें कृष्ण खांडा के 6 एकड़, चोलका के रामिकशन व हरिकिशन के 8 एकड. कृष्ण के 22 एकड़ के फांस जले है। जिसके कारण किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

लॉन टेनिस खिलाड़ी खुड़ी



खरखौदा। शहर में भगवान की मूर्तियों की परिक्रमा कराते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

वार्ड चार के मंदिर में की गई मूर्ति स्थापना

स्थापना से पहले करवाई परिक्रमा

खरखौदा। शहर के थाना कलां मार्ग स्थित वार्ड चार में नवनिर्मित मंदिर में मूर्ति

स्थापना कर प्राण प्रतिष्ठा की गई। जिससे पहले मुर्तियों की शहर भर में

परिक्रमा करवाई गई। इस अवसर पर डा. अनिल दिहया ने बताया कि वार्ड

चार में कोई मंदिर नहीं था। ऐसे में आसपास के लोग लगातार मंदिर बनाने की

मांग करते आ रहे थे। इसी को लेकर वार्ड चार में इस मंदिर का निर्माण किया

गया है। जिसमें आज मूर्ति स्थापना करने से पहले मूर्तियों की शहर में परिक्रमा

करवाई गई है। इस दौरान डा. अनिल दिहया ने कहाँ कि सनातन धर्म को

आज के समय और मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह वह

धर्म है जो किसी का विरोध नहीं करता है। रविवार को बड़ी ही श्रद्धा के साथ

वार्ड वासियों ने मिलकर मंदिर में मर्तियों के स्थापना से पर्व शहर की परिक्रमा

की है। जिसमें भगवान राम-सीता, मां दुर्गा, हनुमान, शिवलिंग और नंदी

हरिभूमि न्यूज▶ें। सोनीपत

जयपुर में 15 अप्रैल 2024 से 19 अप्रैल 2024 तक आयोजित ऑल इंडिया लॉन टेनिस सपर सीरीज अंडर 12 व अंडर 14 में खशी कादयान ने स्वर्ण पदक जीते। अंडर 12 आयवर्ग के फाइनल मैच में खशी ने मध्य प्रदेश की वैदी शिंदे को 6-1, 6-2 के स्कोर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वही अंडर 14 आयुवर्ग के फाइनल मैच में गुजरात की माही को 6-4, 6-4 के स्कोर से

हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस प्रतियोगिता में देश भर से लगभग 115 खिलाड़ियों ने भाग लिया। विद्यालय पहुंचने पर खुशी का फुल मालाओं से स्वागत किया गया। खुशी की इस शानदार जीत पर अभिभावकों ने कहा कि सभी का धन्यवाद किया। विद्यालय के चेयरमैन तरसेम कमार गर्ग, सेक्नेटरी डॉ विशाल गर्ग एवं प्रधानाचार्या आशा गोयल ने बधाई दी तथा भविष्य में भी शानदार खेल प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।



टीकाराम कन्या कॉलेज में पहंचीं पूर्व छात्राएं, सांझा किए अनुभव सोनीपत। टीकाराम कन्यामहाविद्यालय में

एल्यूमनी मीट का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेंज की पूर्व छात्राओं ने मिलकर अपने अनुभव को सांझा किया। निर्मल ने सभी स्टाफ सदस्यों और पूर्व छात्राओं का स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. संतोष राठी ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शूभारंभ किया। कार्यक्रम की संयोजिका कंचन सिधर ने मंच संभालते हुए सबका धन्यवाद किया। इस अवसर पर प्रीति दाहिया, रेखा, दीपा, रितु मलिक, मीनाक्षी, रेखा राठी, सरोज, सुदेश आदि छात्राओं ने अपने विचार सांझा किये। छात्राओं ने डांस प्रस्तृत करके सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर प्राध्यापिकाएं गीता, सुनीता, अनिता राठी, सीमा, सोनिया, संगीता, स्वाति, मनीषा और ममता उपस्थित रहे।

हरिभ्मि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभुमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005



इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-समन हरिभ्रम के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 × 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के	ফ. 2000/-
10× 8 सें.मी	अन्दर के पृष्ठ पर	ফ. 2500/-

+5% GST Extra नोट : विशेष छूट टाशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड टेट लागू

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत

फोन 0130-4012310, 9253681028

रक्तदान जीवन बचाने में अदा करता है अहम भूमिका हरिभूमि न्यूज▶े सोनीपत

विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि रक्तदान जीवनदान है। रक्तदान से नुकसान नहीं बल्कि जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाने में रक्तदाता अहम भूमिका अदा करता है। रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है। विधायक सुरेंद्र पंवार सेक्टर-15 में आयोजित रक्तदान शिविर में पहंचकर रक्तदाताओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विधायक सुरेंद्र पंवार ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि कुछ लोगों में इस बात का काफी भ्रम है कि रक्तदान करने से उनके शरीर में कमजोरी आ जाएगी और स्वास्थ्य पर काफी



खराब असर पडेगा, ऐसा कुछ नहीं

है। जो रक्तदान हम दान करते है वह

दोबारा से हमारे शरीर में बन जाता

है, इसीलिए अधिक से अधिक

रक्तदान करें। उन्होंने कहा कि

व्यक्ति अपना रक्त अपनी इच्छा से

दान करता है। पहले रक्त ना मिल

पाने के कारण लोगों की मौत हो

जाती थी, लेकिन अब रक्तदान

🎾 विधायक सुरेंद्र पंवार ने रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि की शिरकत

विधायक सुरेंद्र रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते हुए। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत्।

शिविर लोगों का जीवन बचाने में अहम भिमका अदा कर रहे है। इस दौरार सरदार मोहन सिंह मनोचा, गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सरेंद्र छिक्कारा, संजय वधावन, कमल हसीजा, राजेश मिड्डा, राजन खुराना, रविंद्र सरोहा, मास्टर दिलबाग, जयवीर गहलावत, हवा सिंह पहलवान, आनंद सिहत अन्य

रक्तदान से बढ़कर नहीं कोई दान : तरूण देवीदास

सोनीपत। सेक्टर 15 में दिव्य आध्यात्मिक सत्संग एवं रक्तढान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे जिला भाजपा प्रवक्ता

तरुण देवीदास ने रक्तदाताओं को बैच लगाकर उनका हौसला बढाया। भाजपा नेता तरुण देवीदास ने कहा कि रक्तदान सभी दानों से बढकर किसी को जीवनदान देने के बराबर है। इसकी बराबरी किसी भी और अन्य दान से नहीं की जा सकती।

मेयर ने पहले किया रक्तदान फिर सम्मानित किए रक्तदाता

हरिभूमि न्यूज▶े सोनीपत

सेक्टर 15 में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मेयर निखिल मदान ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि भाग लेकर रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाया और रक्तदाताओं को रक्तदान के प्रमाण पत्र वितरित किए। इस मौके पर मेयर निखिल मदान ने खुद भी रक्तदान किया। मेयर निखिल मदान ने कहा कि रक्तदान महादान है और लोगों की जिंदगी बचाने का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है।

एक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित तौर पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। मेयर निखिल मदान ने कहा कि युवा लोगों को विशेषकर रक्तदान में बढ़ चढ़ कर भाग लेना चाहिए और अन्य लोगों को भी



करते हए मेयर निखल मदान साथ में मौजूद गणमान्य लोग। कोटोः हरिभूमि

रक्तदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। मेयर निखिल मदान ने इस अवसर पर सभी आयोजकों का इस पनीत कार्य के लिए धन्यवाद किया। आयोजकों द्वारा मेयर निखल मदान को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मोहन सिंह मनोचा, मनोहर लाल मेहता, प्रभु दयाल, नरेंद्र भूटानी, रवि ग्रोवर, राजन खुराना, सुरेश बत्रा, सुभाष मदान, महेंद्र पाल, संजय आहूजा, रविंद्र सरोहा आदि मौजूद रहे।